RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : गुरुवार 03 जुलाई 2025 | वर्ष 07 | अंक 75 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी ®
खबरें बे-रोकटोक

...अब सड़कों के गड्ढों ने बढ़ाई मुसीबत

...फिर गुंजा किसान आत्महत्या का मुद्दा

इस साल 767 मौतें, सरकार चर्चा के लिए तैयार...

मुंबईः किसानों का मुद्दा महाराष्ट्र विधानमंडल के मानसून सत्र में तीसरे दिन भी छाया रहा। बुधवार को विधानसभा में विपक्ष ने सरकार को किसानों के मुद्दे पर जमकर आड़े हाथों लिया। किसानों की आत्महत्या का वादा बहुत अच्छा है कहते हुए विपक्ष के नेताओं ने कहा कि बीते 3 महीनों में राज्य में 767 किसान आत्महत्या कर चुके हैं। नौबत ऐसी आ गई है कि बैलों के अभाव किसान खुद को हल में जोड़ने को मजबूर हो गए हैं।

सत्ता में आने के बाद सरकार किसानों की कर्जमाफी का वादा भूल गई है, ऐसा आरोप लगाते हुए विपक्ष ने चर्चा की मांग की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि विपक्ष पक्षाघात प्रस्ताव लाए, मैं चर्चा के लिए पूरा दिन देने को तैयार हूं। लेकिन विपक्ष किसानों की समस्या की आड में राजनीति न करे। लेकिन चर्चा की मांग तुरंत स्वीकार नहीं होने पर विपक्ष ने दो बार विधानसभा से दो बार बहिर्गमन किया। किसानों की आत्महत्या और सोयाबीन खरीद के लिए कथित तौर पर भुगतान नहीं किए जाने के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों ने महाराष्ट्र विधानसभा में सरकार घेरने का जोरदार प्रयास किया।

मंत्रियों के असंवेदनशील बयान

वडेट्टीवार ने किसानों को कथित तौर पर ''भिखारी'' कहने के लिए कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे और किसानों के खिलाफ ''असंवेदनशील और अपमानजनक बयान'' देने के लिए पूर्व मंत्री बबनराव लोणीकर की भी निंदा की। उन्होंने लातूर की एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जहां 65 वर्षीय वृद्ध किसान अंबादास पवार कथित तौर पर खुद को हल से जोतने को मजबूर है। क्योंकि वह खेत जोतने के लिए किराये पर बैल नहीं ले सकते थे।

समिति नहीं कार्रवाई की जरूरत

वडेट्टीवार ने चरणबद्ध प्रस्ताव के जरिए किसानों की समस्याओं को उठाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि समितियों का गठन करने के बजाय सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। किसान समितियां नहीं राहत चाहते हैं। विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए सहकारिता एवं विपणन मंत्री

जयकुमार रावल ने सदन को बताया कि इस वर्ष राज्य में 562 केंद्रों पर रिकॉर्ड मात्रा में सोयाबीन की खरीद की गई। रावल ने कहा कि 51,000 से अधिक किसानों ने अपनी उपज बेची और 5,500 करोड़ रुपए सीधे उनके बैंक खातों में भेजे गए। किसान लाखों लोगों के अन्नदाता हैं और राज्य में किसानों की सरकार है। किसानों की समस्याओं और बाधाओं को समझना और उनका समाधान करना, किसानों की मदद करना सरकार की जिम्मेदारी है और हमारी सरकार इसका पूरा प्रयास करेगी। विपक्षी दल के सदस्यों को सदन में अराजकता पैदा नहीं करनी चाहिए। किसानों के सवालों पर चर्चा करने के लिए सरकार तत्पर है।

तीन महीनों में 700 से अधिक मौत

विधानसभा में कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने दावा किया कि इस वर्ष के पहले तीन महीनों में राज्य में 700 से अधिक किसानों ने आत्महत्या की है। उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए एक स्थगन प्रस्ताव दिया। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाया, जिसमें शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे को गोवा को नागपुर के साथ जोड़ने के लिए 20,000 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई। वडेट्टीवार ने कहा कि प्रतिदिन किसान आत्महत्या कर रहे हैं और फिर भी सरकार उदासीन बनी हुई है। इस साल जनवरी से मार्च तक, 767 किसानों ने आत्महत्या की। इनमें से 200 मामलों को (मृतक के परिजन के वास्ते) सहायता के लिए अयोग्य घोषित किया गया जबकि 194 मामलों में अभी भी पूछताछ लंबित हैं। उन्होंने सरकार पर चुनाव से पहले कर्ज माफी और लागत का डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने के झूठा वादा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सोयाबीन और कपास उत्पादकों को उनकी उपज के लिए उचित मूल्य नहीं मिला है।

मुंबई को पानी देने वाली सात झीलों का स्तर 43.46 प्रतिशत तक बढ़ा

मुंबई : मुंबई को पीने के पानी की आपूर्ति करने वाली झीलों में जलस्तर में उनके जलग्रहण क्षेत्रों में हुई भारी बारिश के बाद उछाल दर्ज किया गया है. बुधवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के आंकड़ों के अनुसार, शहर को पानी उपलब्ध कराने वाले सात जलाशयों में संयुक्त स्टॉक अब 43.46 प्रतिशत या 6,29,032 मिमी है.

अलग-अलग झीलों में, भाटसा में सबसे अधिक 2,58,822 एमएल पानी है, इसके बाद ऊपरी वैतरणा में 1,28,625 एमएल और मध्य वैतरणा में 93,493 एमएल पानी है. मोदक सागर और तानसा में वर्तमान में क्रमशः 69,773 एमएल और 63,431 एमएल पानी है, जबकि छोटी झीलों वेहर और तुलसी में 11,691 एमएल और 3,196 एमएल पानी है.

नाबालिग छात्र पर आया 40 साल की महिला टीचर का दिल,

एंटी-एंग्जाइटी की दवा देकर बनाती रही शारीरिक संबंध, ऐसे खुली पोल...

मुंबई : मुंबई के एक मशहूर स्कूल की 40 वर्षीय महिला टीचर पर अपने स्टूडेंट का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है। शिक्षिका पिछले एक साल से 16 वर्षीय छात्र का यौन उत्पीड़न कर रही थी। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी शिक्षिका पहले से शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। इसके बावजूद उसने छात्र को कई मौकों पर परेशान किया। पुलिस ने शिक्षिका के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम, 2012 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, स्कूल ने अभी तक इस मामले पर चुप्पी नहीं तोड़ी है।

पुलिस के अनुसार, दोस्त ने पीड़ित छात्र से बात की और उसे समझाया कि नवयुवकों और ज्यादा उम्र की महिलाओं का रिलेशनशिप अब आम हो चुका है। तुम दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हो। ऐसे में दोस्त की बात मानकर छात्र ने शिक्षिका से मिलने के लिए तैयार हो गया। पुलिस ने कहा, ''शिक्षिका छात्र को सूनसान जगह पर ले गई और जबरदस्ती उसके सारे कपड़े उतार दिए। इसके बाद शिक्षिका ने छात्र का यौन उत्पीड़न किया। जब छात्र असहज महसूस करने लगा तो टीचर ने उसे एंटी-एंग्जाइटी की दवाएं दे दीं।''

इसके बाद शिक्षिका जब कभी छात्र से मिलती तो उसे नशा करने पर मजबूत कर देती थी और फिर छात्र का यौन उत्पीड़न करती थी। एक साल लगातार यह सिलसिला चल रहा था। पीड़ित के परिवार ने बच्चे के बर्ताव में बदलाव महसूस किया तो उससे पूछना शुरू किया।

मुंबई : लोकल ट्रेन में महिला अपने 15 दिन के बच्चे को छोड़कर भाग गई

मुंबई : महिला अपने 15 दिन के बच्चे को सीएसएमटी-पनवेल लोकल ट्रेन में एक यात्री के पास छोड़कर भाग गई। महिला ने बहाना बनाकर कहा कि वह अपने सामान के साथ नीचे नहीं उतर सकती। यह घटना हार्बर लाइन पर सीवुड्स रेलवे स्टेशन पर हुई। वाशी रेलवे पुलिस ने अज्ञात महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश शुरू कर दी है। मुंबई निवासी दिव्या नायडू (19) अपनी दोस्त भूमिका माने के साथ सुबह करीब 11 बजे सीएसएमटी से जुईनगर जाने वाली लोकल ट्रेन में सवार हुई। करीब 12 बजे जब ट्रेन सानपाड़ा स्टेशन से गुजरी तो दोनों दोस्त जुईनगर में उतरने के लिए दरवाजे की ओर बढ़ीं।

उसी डिब्बे में 30 से 35 साल की एक अज्ञात महिला बैठी थी, जिसके पास तीन बैग थे और वह एक बच्चे को गोद में लिए हुए थी। महिला ने नायडू और माने से कहा कि वह सीवुड्स स्टेशन पर उतरेगी, लेकिन अपने सामान के कारण वह बच्चे के साथ अकेले नहीं उतर पाएगी। उसने सीवुड्स तक साथ चलने के लिए उनसे मदद मांगी। मदद करने की इच्छा से वे दोनों सहमत हो गईं और बच्चे के साथ सीवुड्स में उतर गईं। लेकिन, उन्हें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि महिला नीचे नहीं उतरी और ट्रेन में ही बैठी रही और आगे बढ़ने पर उन्हें देखती रही।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

डाक्टरों के हाथ में नब्ज...

अपनी निरंतर पारी के चौक चौबंद दरवाजों को तीसरी बार लांघकर पुनः डा. राजीव बिंदल का भाजपा का प्रदेशाध्यक्ष बनना, उनके व्यक्तित्व के ढोल पीट रहा है। क्योंकि यह भाजपा में हो रहा है, इसलिए यहां संकेतों और प्रतीकों की भाषा भी सुनी जाएगी। उस लाव लश्कर की कहानी भी सुनी जाएगी, जो संगठन की ऊर्जा में तप रहे हैं। जाहिर है फेहरिस्त बदल रही है और इस बदलाव में अगले चुनाव का पदचाप भी सुना जा रहा है। इसे पुरस्कार कहें, आलाकमान का भरोसा या जगत प्रकाश नड्डा का अपने प्रदेश में खड़ा साम्राज्य मानें कि डाक्टर के हाथ में भाजपा की नब्ज थमा दी गई। इसे इत्तेफाक कहें या सियासी जरूरत कि राजनीतिक दलों के डाक्टर अब बड़ा फर्ज निभा रहे हैं। भले ही दूसरी तरफ भी कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष का पद अपने गणित में फंसा है, लेकिन इससे पहले डा. राजेश शर्मा को हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। नब्ज यहां भी डाक्टर के ही हाथ है, क्योंकि सरकार में कांगड़ा की पैरवी हो रही है। कांगड़ा के मापतौल में कांग्रेस और भाजपा की अगली पारी के कितने पांव बाहर निकलते हैं, यह एक कयास के मानिंद दोनों पार्टियों की ओर टकटकी लगाए खड़ा है। डा. राजीव बिंदल अगर भाजपा के फलक पर सिद्धार्थ बनकर निकले हैं, तो सत्ता पर चढ़ी कांग्रेस के प्रति डा. राजेश शर्मा का किरदार, कृतार्थ होकर सामने आया है। डा. बिंदल की राजनीतिक उपलब्धियों के कई सारांश हैं, लेकिन पार्टी की चुनावी दौड़ में उनका साहसिक नेतृत्व कई छलांगे लगाने में सफल माना जाएगा। वह जिस पृष्ठभूमि और वर्ग से आते हैं, वहां नए संतुलन और बौद्धिक प्रकोष्ठ स्वयं प्रकट होते हैं। जाहिर तौर पर नई पारी में उनकी सक्रिय व श्रेष्ठ भूमिका तय हो चुकी है।

अब चुनाव की व्यापकता में उन परिस्थितियों से मुकाबला होने जा रहा है, जिनकी वजह से पिछली सरकार का मिशन रिपीट व उपचुनावों में सियासी दबदबा कायम न हो सका था। भाजपा में एक ऐसा आत्ममुग्ध वर्ग तैयार हो चुका है, जो अपने लिए सत्ता की प्रतीक्षा कर रहा है, जबकि पार्टी को विजय पथ पर चलाने के लिए एकजुटता के स्तंभ चाहिएं। ऐसे में डा. बिंदल का पार्टी को तख्त और ताज के बजाय कार्यकताओं की ताकत बनाने का एक मुकम्मल आत्मविश्वास मिल रहा है। दूसरी ओर कांग्रेसी सत्ता की शिकायतें संगठन से कम, अपने इम्तिहान से कहीं ज्यादा रही हैं। भाजपा का संगठन एक मशीन की तरह काम करता रहा है, लेकिन कांग्रेस सत्ता के सफर को सिर्फ दर्शक की तरह देख रही है। भाजपा के सामने या यूं कहें डा. बिंदल के सामने कांग्रेस का कौन अवतार बनता है, यह अभी देखना-सुनना बाकी है, फिर भी सरकार के संतुलन में नेताओं के पद और पदवियां खासा महत्त्व रखती हैं।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK
LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On
YouTube
LIKE
SHARE
COMMENT
SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

पनवेल : "स्वच्छता अपनाएं - बीमारियों को दूर भगाएं"

स्वच्छता जागरूकता अभियान शुरू

पनवेल : पनवेल नगर निगम (पीएमसी) ने 1 जुलाई से 31 जुलाई तक अपने अधिकार क्षेत्र में "स्वच्छता अपनाएं - बीमारियों को दूर भगाएं" शीर्षक से एक महीने तक चलने वाला स्वच्छता जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य स्वच्छता के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना, संक्रामक रोगों के प्रसार को रोकना और सामुदायिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। एक अधिकारी ने कहा, "इस अभियान में सभी चार नगरपालिका वार्डों: खारघर, कलंबोली, कामोठे और पनवेल में स्वास्थ्य और सफाई अधिकारियों के बीच व्यापक समन्वय शामिल है। अभियान के हिस्से के रूप में, आवासीय क्षेत्रों, स्कूलों, बाजारों, खुले मैदानों, झीलों और नालों में विभिन्न जागरूकता और कार्रवाई-

आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।" स्कूलों में, स्वच्छ हाथ पहल के हिस्से के रूप में बच्चों को उचित हाथ धोने की आदतों के बारे में शिक्षित किया जाएगा। आवासीय सोसाइटियों में स्वच्छ घर गतिविधि के तहत कचरा पृथक्करण और अपशिष्ट निपटान पर जागरूकता अभियान चलाए जाएँगे। इस बीच, स्वच्छ पड़ोस अभियान के हिस्से के रूप में प्रमुख सड़कों, चौकों और नागरिक स्थानों की सफाई पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह सुनिश्चित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा कि सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालय साफ हों और उनमें साबुन और पानी की अच्छी व्यवस्था हो, जो स्वच्छ भारत मिशन के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप हो। इसके अतिरिक्त, सफाई कर्मचारियों, गैर सरकारी संगठनों और नागरिक स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी से नालों, बंद नालों और झीलों की सफाई की जाएगी। नालों और झीलों के पास के बाजार, खाद्य गलियाँ और हॉटस्पॉट, जहाँ कचरा जमा होने की संभावना है, उन्हें विशेष स्वच्छ सार्वजनिक स्थान अभियान के तहत लक्षित किया जाएगा। अधिकारी ने कहा, "यह महीने भर चलने वाली पहल भारत सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप शुरू की गई है और इसमें जन भागीदारी पर जोर दिया गया है। नागरिकों से आग्रह है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हों और खुद को और समुदाय को बीमारी से बचाने के लिए स्थायी स्वच्छता की आदतें अपनाएँ।"

मुंबई : मानसून के बाद कोस्टल रोड के वसोर्वा से दहिसर कॉरिडोर के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण

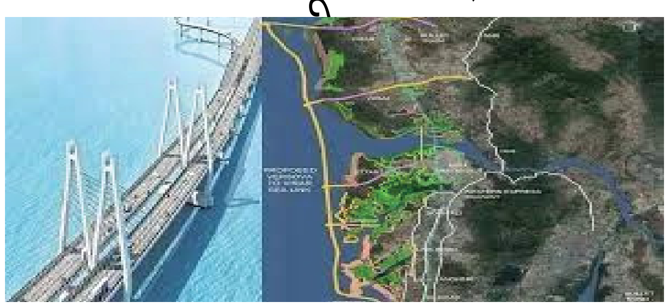

मुंबई : बीएमसी को उम्मीद है कि मानसून के बाद कोस्टल रोड के वसोर्वा से दहिसर कॉरिडोर पर काम शुरू हो जाएगा और सरकार ने बीएमसी से कहा है कि वह संबंधित अधिकारियों से जल्द ही इस परियोजना के लिए आवश्यक भूमि का अधिग्रहण करे। इनमें से एक भूमि खंड वसोर्वा के आराम नगर में म्हाडा का लेआउट है। हालांकि, बीएमसी और म्हाडा ने अभी तक किरायेदारों के पुनर्वास को अंतिम रूप नहीं दिया है। "इस भूमि पर म्हाडा द्वारा अधिकृत आठ संरचनाएं और करीब 30 अतिक्रमण हैं। म्हाडा की संरचनाएं एक मंजिला हैं और अतिक्रमण में मकान और दुकानें शामिल हैं। कोस्टल रोड परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण करते समय, भूमि पर रहने वाले लोगों के पुनर्वास पर पहले विचार किया जाना चाहिए। बीएमसी ने म्हाडा से खाली संरचनाओं को सौंपने के लिए कहा है। ताकि जल्द ही काम शुरू किया जा सके," एक नागरिक अधिकारी ने कहा।

हालांकि, म्हाडा के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि वे भूमि बीएमसी को सौंप देंगे और नागरिक निकाय अपनी नीति के अनुसार पुनर्वास पर निर्णय लेगा। बीएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि अगर बीएमसी को किरायेदारों के पुनर्वास और अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी लेनी है, तो यह एक उच्च स्तरीय नीतिगत निर्णय होगा। हालांकि, कोस्टल रोड परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जब तक परियोजना के लिए सभी आवश्यक मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास पर निर्णय ले लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बीएमसी अंधेरी में भी भूमि अधिग्रहण करेगी, जहां केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान स्थित है और कोस्टल रोड परियोजना के वसोर्वा से भयंदर खंड को सुविधाजनक बनाने के लिए बड़ी संख्या में मैंग्रोव को भी नष्ट करना होगा।

मुंबई : निर्दयी पिता पर पांच वर्षीय बेटी को सिगरेट से जलाने का मामला दर्ज

मुंबई : मानखुर्द पुलिस ने एक "निर्दयी" पिता राजेशराम उर्फ भगवान के खिलाफ अपनी पांच वर्षीय बेटी को सिगरेट से जलाने का मामला दर्ज किया है। कथित दुर्व्यवहार का एक वीडियो सामने आने के बाद यह चौंकाने वाली घटना सामने आई। पिता पर आरोप है कि उसने अपनी बेटी को इसलिए पीटा और सिगरेट से जलाया क्योंकि वह सो नहीं रही थी। एफआईआर के अनुसार, शिकायत पशु प्रेमी अब्दुल हकीम कय्यूम शेख, 45, ने दर्ज कराई है, जो मानखुर्द के कर्बला चॉल में रहते हैं। 30 जून को दोपहर 2:45 बजे, जब वह देवनार कॉलोनी में स्कूल से बच्चों को लेने जा रहे थे, तो उनकी पत्नी ने उन्हें एक वीडियो भेजा।

वीडियो में, उन्होंने राजेशराम उर्फ भगवान को अपनी 5 वर्षीय बेटी के पैर बांधकर पीटते हुए देखा। शेख फिर मानखुर्द पुलिस स्टेशन गए, वीडियो दिखाया और पुलिस से मदद मांगी। जब पुलिस राजेशराम के घर गई और उसके दोनों बच्चों से पूछताछ की, तो बेटी ने बताया कि उसका पिता उसे पीटता था और सिगरेट से उसके गालों को जलाता था, क्योंकि वह जल्दी सो नहीं पाती थी। पुलिस ने लड़की को मेडिकल जांच और इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया है। पिता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) अधिनियम और किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

...अब सड़कों के गड्ढों ने बढ़ाई मुसीबत

वसई-विरार की सड़कें गड्ढों में तब्दील

विरार : वसई-विरार की सड़कों पर गड्ढे हैं या गड्ढे में सड़क, इसका अंदाजा लगाना बेहद मुश्किल है। इस क्षेत्र की ज्यादातर सड़कें बड़े-बड़े गड्ढों के रूप में तब्दील हो गई हैं, गड्ढों के कारण इन सड़कों से गुजरने वाले वाहन चालक रोजाना दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। कुछ रास्तों को मनपा ठेकेदारों द्वारा सिर्फ पत्थरों और मिट्टी से पाटकर छोड़ दिया गया है जो बारिश के पानी के साथ बह जा रही है और मार्ग फिर से अपने पुराने हालात पर पहुंच जा रहे हैं। ठेकेदारों की लापरवाही का खामियाजा उस मार्ग से गुजरने वाले वाहनों को भुगतना पड़ रहा है। सड़कों के गड्ढों ने मुसीबत और बढ़ा दी है, क्योंकि दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद लोग अस्पतालों में भर्ती हो रहे हैं, लेकिन इस ओर ना तो मनपा प्रशासन का ध्यान है और ना ही जनप्रतिनिधियों का ऐसी स्थिति में क्षेत्र के लोग भगवान भरोसे जीवन जीने को विवश है। इन रास्तों पर गड्ढों की भरमार पेल्हार सोपारा फाटा की ओर जाने वाले तुलिंज टोलनाका, संतोष भुवन, बावसेत पाड़ा, गोवराई पाड़ा, धाणिवबाग, वाकनपाड़ा नेशनल होटल के समीप पूरी तरह खस्ताहाल हैं।

रोजाना इन्हीं रास्तों से गुजरते हैं अधिकारी

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिदिन इस मार्ग से अधिकारियों का आवागमन होता है, लेकिन किसी की नजर इन गड्ढों पर नहीं पड़ती, जिसके परिणाम स्वरूप इन रास्तों से गुजरने वाले दर्जनों वाहन चालक प्रतिदिन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं उधर, मनपा अधिकारियों का कहना है कि बरसात के कारण सड़क पर नए गड्ढे हो जा रहे हैं, जिन्हें भरने का कार्य किया जा रहा है। इसके बावजूद जिन स्थानों की जानकारी मिल रही है वहां कर्मचारियों को भेजकर गड्ढों को भरने का काम हो रहा है। ऐड्वकेट राहुल सिंह ने कहा कि वसई-विरार क्षेत्र में गड्ढे में सड़क या सड़क में गड्ढे, इसको समझ पाना मुश्किल है। गड्ढों के कारण दो पहिया वाहनचालकों के साथ दुर्घटनाएं बढ़ गई हैं। बेरोजगारी के चलते लोगों की मुसीबतें पहले से ही बढ़ी, ऐसे में अस्पताल का खर्चा उनके ऊपर दोहरा असर कर रहा है।

गड्ढों के लिए मनपा और सत्ताधारी दल जिम्मेदार

निर्भीड संस्था के अध्यक्ष नानासाहेब कोलेकर ने कहा कि वसई-विरार में सड़कों की दुर्दशा के लिए मनपा और स्थानीय सत्ताधारी पार्टी दोनों ही जिम्मेदार हैं। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाले मैटेरियल का निरीक्षण नहीं होता। हर वर्ष पैचवर्क कर सड़कों को सजाया जाता है, जो पहली बारिश में ही सत्ताधारी और प्रशासन को मुंह चिढ़ाती नजर आता है। इन लोगों ने कभी भी जनता की सुविधा पर ध्यान नहीं दिया, जिसका खामियाजा यहां के लोग भुगत रहे हैं।

कल्याण-पूर्व से पश्चिम जाना मुश्किल

नागरिकों का आरोप, टैक्स देके फंसे ट्रैफिक में...

कल्याण : एक समय था जब कल्याण-पूर्व से पश्चिम जाना कुछ ही मिनटों का काम हुआ करता था, लेकिन अब यही रास्ता नागरिकों के लिए रोज की सजा बन गया है। मेट्रो कार्य शुरू होने से सड़कों की चौड़ाई कम हो गई है और ऊपर से अवैध पार्किंग, रिक्शा चालकों की मनमानी और मनपा की ढिलाई ने मिलकर इस संकट को और भी गहरा बना दिया है। दो मिनट का सफर अब आधे घंटे से भी ज्यादा समय ले रहा है। मेट्रो मॉल के बाहर अवैध रूप से खड़ी गाड़ियां, बिना किसी डर के खड़े किए गए रिक्शे और सड़कों पर बने अवैध ठेले नागरिकों के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। बाहर जाने वाले लोग अपनी गाड़ियां सड़कों पर ही छोड़ देते हैं, जिससे ट्रैफिक जाम और भी भयावह हो जाता है। स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि नागरिक अब सोशल मीडिया पर वीडियो और फोटो वायरल कर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं।

मानसूनी बीमारी का बढ़ा प्रकोप...

मलेरिया और गैस्ट्रोएन्टेराइटिस के मरीजों की संख्या बढ़ी

मुंबई : मनपा के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जून महीने में मरीजों की संख्या को लेकर जानकारी दी गई। मनपा द्वारा जारी किए गए आंकड़ों अनुसार वर्ष 2025 में जनवरी से जून तक मानसूनी बीमारियों के मामलों में पिछले साल की तुलना में वृद्धि देखी गई है। विशेष रूप से मलेरिया और गैस्ट्रोएन्टेराइटिस के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मनपा के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार मलेरिया के मामले 2024 में 2055 थे जो 2025 में बढ़कर 2857 हो गए। डेंगू के मामले 431 से बढ़कर 452 हो गए। चिकनगुनिया के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई जो 21 से बढ़कर 136 हो गए। वहीं लेप्टोस्पायरोसिस के मामले 140 से घटकर 101 हुए। गैस्ट्रो के मामले 4200 से बढ़कर 4513 हो गए हेपेटाइटिस के 347 से बढ़कर 437 हुए जबकि कोरोना के मामलों में कमी आई और यह 1392 से घटकर 992 हो गए। मनपा स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बारिश के मौसम को देखते हुए मई और जून में विशेष निर्माण स्थल निरीक्षण अभियान चलाया गया जिसके तहत 3033 निर्माण स्थलों की जांच की गई। इन स्थलों से 50,085 रक्त स्लाइड्स एकत्र की गईं, जिनमें से 30 लोगों में मलेरिया की पुष्टि हुई, जिन्हें तत्काल इलाज दिया गया। बारिश के मौसम में बीमारियों से बचने के लिए मनपा ने नागरिकों को सुझाव दिए हैं। मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से बचने के लिए घर और आस-पास पानी जमा न होने दें। पुराने टायर, पानी की टंकियां, पाइप और प्लास्टिक कंटेनर न रखें। मच्छरदानी और मच्छर रोधी उत्पादों का उपयोग करें। बुखार आने पर तुरंत नजदीकी मनपा अस्पताल या दवाखाने में जांच कराएं। लेप्टोस्पायरोसिस से बचाव के लिए जमा पानी में न चलें।

मुंबई : रेसकोर्स, हाजी अली व कोस्टल रोड को जोड़ने वाला सबवे बनाने का काम शुरू

मुंबई: मनपा और मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने अचार्य अत्रे चौक मेट्रो 3 स्टेशन को महालक्ष्मी रेसकोर्स और हाजी अली स्थित मुंबई कोस्टल रोड पार्किंग हब से जोड़ने वाले महत्वाकांक्षी पैदल भुयारी मार्ग (सबवे) पर काम शुरू कर दिया है। मनपा आयुक्त भूषण गगरानी ने इस प्रोजेक्ट को अपनी मंजूरी दे दी है। बता दें कि महालक्ष्मी रेसकोर्स से कोस्टल रोड पार्किंग तक बनने वाले सबवे को वर्ली मेट्रो 3 स्टेशन से जोड़ने के लिए बनने वाले सबवे को लेकर पिछले सप्ताह मनपा और एमएमआरसीएल अधिकारियों की बैठक हुई। इस बैठक में यह निश्चित हुआ कि प्रस्तावित भुयारी

मार्ग लगभग 1 किलोमीटर लंबा होगा, जो मेट्रो स्टेशन से महालक्ष्मी रेसकोर्स तक और आगे 160 मीटर के सबवे को जोड़कर सीधे कोस्टल रोड के ओपन स्पेस से जुड़ेगा। इसका उद्देश्य मेट्रो स्टेशन से कोस्टल रोड के ओपन स्पेस तक पैदल यात्रियों के लिए सीधा और सुविधाजनक रास्ता उपलब्ध कराना है। हाल ही में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को इन 70 हेक्टेयर ओपन स्पेस के विकास का काम सौंपा गया है। जो दक्षिण मुंबई का सबसे बड़ा ओपन स्पेस होगा। मनपा अधिकारियों ने जानकारी दी कि रेसकोर्स से कोस्टल रोड तक का भुयारी मार्ग पहले से ही प्लान में था। अब इसे मेट्रो स्टेशन से जोड़ने की योजना पर काम चल रहा है। इसके बाद इसे कोस्टल रोड पर बनने वाली 1200 गाड़ियों की पार्किंग से जोड़ा जाएगा। वर्ली स्थित मेट्रो 3 आचार्य अत्रे चौक मेट्रो स्टेशन के दो निकास द्वार हैं। एक वर्ली नाका के पास और दूसरा नेहरू साइंस सेंटर के पास। इन दोनों जगहों से भुयारी मार्ग के जरिए रेसकोर्स और आगे कोस्टल रोड से जोड़ने की योजना है।

ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल में फूट, स्कूल बस ओनर एसोसिएशन ने स्थगित किया प्रोटेस्ट...

मुंबई: स्कूल बस ओनर एसोसिएशन ने राज्य भर के विभिन्न यात्री बस संघों के साथ समन्वय करके यातायात विभाग द्वारा जारी किए गए जबरन और निराधार ई-चालान के विरोध में 2 जुलाई 2025 से राज्यव्यापी हड़ताल की घोषणा की थी, जो की अब स्थगित कर दी गई है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल गर्ग ने बताया कि आंदोलन की संरचना को अंतिम रूप देने के लिए हमारी आंतरिक बैठक के दौरान हमें मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक से एक आधिकारिक संचार प्राप्त हुआ, जिसमें हमें आश्वासन दिया गया कि हमारी शिकायतों को उचित गंभीरता के साथ हल किया जाएगा। हमारे द्वारा उठाई गई चिंताओं को स्वीकार किया गया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि समाधान को कुछ समय लगेगा। इसके अलावा मुझे यानी अनिल गर्ग को आज समिति के साथ बैठक के लिए आमंत्रित किया है। हमसे अनुरोध किया गया है कि सार्वजनिक सुविधा और निरंतर सेवा के व्यापक हित में हड़ताल को वापस ले लिया जाए। माल ट्रांसपोर्टरों यानी ट्रक, टैंकर, कंटेनर और अन्य मालवाहक वाहनों ने हड़ताल जारी रखने का फैसला किया है। ट्रांसपोर्टरों ने ई-चालान से संबंधित शिकायतों का तत्काल समाधान, जबरन जुर्माना वसूली पर तत्काल रोक, लगाए गए जुर्माने को माफ करने, क्लीनर की बाध्यता को समाप्त करने और व्यावसायिक वाहनों के लिए नो एंट्री और समय के संबंध में निर्णय जैसी अपनी प्रमुख मांगों को पूरा करने के लिए हड़ताल का आ''ान किया है, जिसे वे जारी रखेंगे।

भिवंडी : 1.38 लाख की बिजली चोरी...

भिवंडी : शहर के नागांव पटेल कंपाउंड क्षेत्र में टोरेंट पावर कंपनी को लाखों रुपये का चूना लगाने का मामला सामने आया है। शांतिनगर पुलिस ने इस मामले में आदम ईस्माल जावलेकर नामक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक टोरेंट पॉवर कंपनी के एक्जीक्यूटिव अनिकेत कडु मेहरे ने शिकायत दर्ज कराई है कि निजामपुर चौथा, पटेल कंपाउंड के रहने वाले आदम जावलेकर ने अपने आर्थिक फायदा हेतु कंपनी के फ्यूज सेक्शन पिलर से अवैध कनेक्शन कर 5976 युनिट बिजली इस्तेमाल करते हुए 1,38,982.68 रुपए की बिजली चोरी की। पुलिस ने इस मामले में भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

मुंबई : ट्रक ड्राइवर की हत्या... 14 साल से फरार क्लीनर गिरफ्तार

मुंबई : क्राइम ब्रांच की सेंट्रल यूनिट ने एक क्लीनर को गिरफ्तार किया है, जो महज 1,000 रुपये के लिए अपने साथी ट्रक ड्राइवर की हत्या करने के बाद 14 साल से फरार था। आरोपी की पहचान लक्ष्मण गंगाधर काकड़े (36) के रूप में हुई है, जिसे पुणे जिले के खेड़ से पकड़ा गया और आगे की जांच के लिए एपीएमसी पुलिस को सौंप दिया गया। मामले में पीड़ित अजिनाथ त्रंबक दाउद एक ट्रक ड्राइवर था, जबकि आरोपी काकड़े उसके साथ क्लीनर के रूप में काम करता था। 26 नवंबर, 2011 को दोनों अपना ट्रक एपीएमसी मार्केट में लेकर आए थे, जब उनके बीच 1,000 रुपये को लेकर बहस हो गई।

बहस के दौरान काकड़े ने कथित तौर पर दाउद पर धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद एपीएमसी पुलिस ने आईपीसी

की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि, जब काकड़े कई सालों तक पकड़ से बचता रहा, तो पुलिस ने 2015 में फरार आरोपी के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 299 के तहत आरोप पत्र दाखिल किया। हाल ही में, नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त मिलिंद भारम्बे ने लंबे समय से लंबित हत्या के मामलों की समीक्षा करने का निर्देश दिया, जिससे काकड़े का पता लगाने के लिए नए सिरे से प्रयास किए गए।

सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) अजयकुमार लांडगे के मार्गदर्शन में, अपराध शाखा ने केंद्र सरकार द्वारा विकसित ठअळक्षक्क पोर्टल की मदद से आरोपी को ट्रैक करना शुरू किया। तकनीकी और डेटा इंटेलिजेंस के आगे के विश्लेषण से पता चला कि आरोपी पुणे के खेड़ में रहता है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुनील शिंदे के नेतृत्व में एक टीम, जिसमें एपीआई सचिन कोकरे, सतीश भोसले, कांस्टेबल अनिल यादव, ठाकुर और पुलिस नायक नवनाथ पाटिल शामिल थे, खेड़ गए और काकड़े को सफलतापूर्वक पकड़ लिया। एसीपी लांडगे ने कहा, ''आरोपी इन सभी वर्षों से अपना कार्यस्थल बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। वह मूल रूप से अहमदनगर का रहने वाला है।'' एसीपी लांडगे ने पुष्टि की कि आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए एपीएमसी पुलिस को सौंप दिया गया है।

नवी मुंबई : 100 पेड़ों की अवैध कटाई के लिए एनआरआई कोस्टल पुलिस स्टेशन में एक एफआईआर दर्ज...

नवी मुंबई : नेरुल के सेक्टर 52ए में मैंग्रोव बफर जोन में लगभग 100 पेड़ों की अवैध कटाई के लिए नवी मुंबई के एनआरआई कोस्टल पुलिस स्टेशन में एक एफआईआर दर्ज की गई है। साइट निरीक्षण और पर्यावरण आकलन के बाद बेलापुर के ग्राम राजस्व अधिकारी नीलेश शांताराम कांबले ने शिकायत दर्ज की थी। जिस जमीन पर कथित तौर पर पेड़ काटे गए थे, प्लॉट नंबर 3, 6 और 7 को 5 मार्च, 2025 को सिडको द्वारा आधिकारिक रूप से आवंटित किया गया था।

हालांकि, सिडको, नवी मुंबई नगर निगम (एनएमएमसी), वन विभाग और समुद्री बोर्ड के अधिकारियों द्वारा 12 मार्च को एक संयुक्त निरीक्षण के दौरान पाया गया कि इंधाली, बोर, इलायची, इमली, सुबाहुल और मेशावक सहित पेड़ों को जेसीबी मशीनों का उपयोग करके उखाड़ दिया गया था। इससे पहले 10 मार्च को एनएमएमसी अधिकारियों ने उस स्थान से दो जेसीबी (एमएच 43 सीजी 7926 और एमएच 48 वीएच 0932) जब्त की थीं और उन्हें चलाने वालों पर जुर्माना लगाया था।

टीबी रोकने के लिए विशेष मुहिम, राज्य में बी-पाम उपचार पद्धति शुरू...

मुंबई : स्वास्थ्य राज्य मंत्री मेघना बोर्डीकर ने विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक देश को तपेदिक (टीबी) रोग मुक्त बनाने का संकल्प लिया है और इसी के अनुरूप राज्य में टीबी उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत संदिग्ध रोगियों की पहचान और जांच तथा निदान किए गए रोगियों को तत्काल उपचार के दायरे में लाने पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही जिन रोगियों पर तपेदिक रोधी दवाओं का असर नहीं होता, उनके लिए राज्य में एक नई बी पाम उपचार पद्धति

शुरू की गई है। बोर्डीकर ने यह बात विधानसभा सदस्य चेतन तुपे की ध्यानाकर्षण सूचना का उत्तर देते हुए कही। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में 2 लाख 30 हजार तपेदिक रोगियों के पंजीयन का लक्ष्य रखा गया है। जनवरी से मई माह के बीच राज्य में 17 लाख 30 हजार 808 रोगियों की जांच की गई। इनमें से 95 हजार 436 रोगियों में तपेदिक की पुष्टि हुई है तथा उन्हें केंद्र सरकार की निक्षय प्रणाली पर पंजीकृत किया गया है। उन्हें तत्काल उपचार के दायरे में लाया गया है, ताकि अन्य लोग उनसे संक्रमित न हों। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की निक्षय पोषण योजना के तहत उपचार के दौरान उचित पोषण सुनिश्चित करने के लिए रोगियों के बैंक खातों में हर महीने 1,000 रुपए जमा किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत प्रत्येक रोगी के लिए एक निक्षय मित्र नियुक्त किया जा रहा है।

मनपा हुई मालामाल सिर्फ तीन महीने में की 419 करोड़ की कमाई... अभी 1630 करोड़ की वसूली बाकी

ठाणे : ठाणे महानगरपालिका (टीएमसी) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में 419 करोड़ 32 लाख रुपए की कर वसूली कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हालांकि कुल निर्धारित लक्ष्य 2050 करोड़ रुपये में से अब भी 1630 करोड़ रुपये की वसूली बाकी है, जिसे अगले नौ महीनों में पूरा करना नगर प्रशासन के लिए एक कठिन चुनौती साबित हो सकती है।

बता दें कि संपत्ति कर विभाग ने हमेशा की तरह इस बार भी वसूली में बाजी मारी है। विभाग ने तीन महीनों में 291 करोड़ रुपये वसूलकर सबसे बड़ा योगदान दिया है। उल्लेखनीय है कि मनपा ने इस विभाग के लिए 819 करोड़ 71 लाख रुपये का वार्षिक लक्ष्य रखा है और इसकी पूर्ति के लिए अप्रैल से ही रणनीतिक रूप से काम शुरू कर दिया गया था। करदाताओं को एसएमएस के माध्यम से सूचित किया गया और 10 प्रतिशत की छूट योजना ने समय पर भुगतान को बढ़ावा दिया, जिससे आय में बढ़ोतरी हुई।

महाराष्ट्र : गोंदिया जिला बैंक पर सहकार पैनल का कब्जा!

भाजपा-राष्ट्रवादी गठबंधन की शानदार जीत

गोंदिया: गोंदिया में सहकारी राजनीति की सबसे बड़ी लड़ाई में मंगलवार को बड़ा उलटफेर हुआ। गोंदिया जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के चुनाव में भाजपा और अजित पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस समर्थित सहकार पैनल ने 11 सीटें जीतकर बैंक की सत्ता पर कब्जा जमा लिया। इस कांटे के मुकाबले में विपक्षी परिवर्तन पैनल को 9 सीटें मिलीं। इस चुनाव ने जिले के राजनीतिक समीकरण हिला दिए और कई दिग्गज नेताओं को शर्मनाक हार का स्वाद चखाया।

20 संचालक पदों के लिए हुई इस चुनावी जंग में 2 उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध चुन लिए गए थे। बाकी 18 सीटों के लिए रविवार को मतदान हुआ। 868 में से 894 मतदाताओं ने जबरदस्त उत्साह के साथ मतदान किया। मतगणना सोमवार को भारी सुरक्षा और सियासी गर्मी के बीच हुई। अंत में सहकार पैनल ने 11 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया और बैंक बोर्ड पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

भाजपा-राष्ट्रवादी का मेल हिट

इस जीत ने भाजपा- राष्ट्रवादी महायुती के गठबंधन को ग्रामीण

और सहकारी राजनीति में बड़ी ताकत दी। सबसे खास बात यह रही कि सहकार पैनल से वर्तमान विधायक राजकुमार बडोले और विजय रहांगडाले भी विजयी हुए। अब ये नेता सिर्फ विधानसभा में नहीं, बल्कि सहकारी बैंक की नीतियों और फैसलों में भी अहम भूमिका निभाएंगे।

प्रफुल्ल पटेल की रणनीति सफल

यह चुनाव खासदार प्रफुल्ल पटेल के लिए बड़ी जीत साबित हुआ। भले ही अजित पवार गुट चुनौतियों से जूझ रहा हो, लेकिन पटेल ने साबित कर दिया कि सहकारी क्षेत्र में उनकी पकड़ आज भी मजबूत है। उनके नेतृत्व में सहकार पैनल ने परिवर्तन पैनल को कड़ी टक्कर दी और निर्णायक बढ़त बनाई।

संपर्क कार्यालय : रोहिरा हाउस फ्लैट नो 8 दूसरा माला पाकीजा बेकरी के सामने कैडल रोड माहिम पश्चिम मुंबई ४०००१६
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com